

बॉर्डर न्यूज़ मिरर

...खबरों से समझौता नहीं



बंगाल में अमित शाह बोले, सीएए लागू करने से कोई नहीं रोक सकता

बीएनएम@कोलकाता

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को जोर देकर कहा कि पश्चिम बंगाल में केंद्र सरकार संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) लागू करेगी और इसे कोई नहीं रोक सकता।

शाह ने पार्टी के लोकसभा चुनाव अभियान की शुरुआत करने के लिए ऐतिहासिक स्थल धर्मतल्ला में बड़ी रैली को संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने तृष्णीकरण, घुसपैठ, भ्रष्टाचार और राजनीतिक हिंसा जैसे मुद्दों पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि भाजपा 2026 में दो-तिहाई बहुमत के साथ राज्य की सत्ता में आएगी। शाह ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में राज्य



में भाजपा का प्रदर्शन विधानसभा चुनाव में उसकी जीत की नींव तैयार करेगा।

इसके अलावा बंगाल में सात से अधिक लोकसभा सीटों और करीब 50 विधानसभा सीटों पर हर जीत तय करने वाले बांग्लादेश के शरणार्थी हिंदू समुदाय को नागरिकता देने के लिए सीएए का जिक्र करते हुए कहा कि ममता बनर्जी इसका विरोध कर रही है, लेकिन कोई भी इसे लागू होने से नहीं रोक सकता।

बीएनएम@नई दिल्ली

फास्ट ट्रैक विशेष अदालतों के लिए केंद्र प्रायोजित योजना को कैबिनेट ने तीन वर्षों तक जारी रखने की मंजूरी दे दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 01 अप्रैल 23 से 31 अप्रैल 26 तक केंद्र प्रायोजित योजना के रूप में फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट (एफटीएससी) को जारी रखने की मंजूरी दी है। इसके तहत 1952.23 करोड़ (केंद्रीय हिस्से के रूप में 1207.24 करोड़ रुपये और राज्य के हिस्से के रूप में 744.99 करोड़ रुपये) रुपये का वित्तीय निहितार्थ होगा। केंद्रीय अंश निर्भया फंड से वित्त पोषित योजना 2 अक्टूबर 2019 को शुरू की गई थी ताकि



मजबूत करते हुए पीड़ितों को त्वरित राहत प्रदान करते हुए त्वरित न्याय सुनिश्चित कर सकें। भारत सरकार ने अगस्त 2019 में बलात्कार और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम (पोस्को) से संबोधित मामलों के समय परनिस्तारण को एफटीएससी की स्थापना के लिए केंद्र प्रायोजित योजना तैयार की थी। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का पालन करते हुए योजना ने 100 से अधिक

पोस्को अधिनियम मामलों वाले जिलों के लिए विशेष पोस्को न्यायालयों की स्थापना को अनिवार्य कर दिया। प्रारंभ में अक्टूबर 2019 में एक वर्ष के लिए शुरू की गई इस योजना को अतिरिक्त दो वर्षों के लिए 31 मार्च 23 तक बढ़ा दिया गया था। अब इसे 1952.23 करोड़ निर्भया फंड से वित्त पोषित केंद्रीय हिस्सेदारी के साथ मार्च 2026 तक बढ़ा दिया गया है।

योजना के अपेक्षित परिणाम में यौन और लिंग आधारित हिंसा समाप्त करने के लिए देश की प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करना और बलात्कार व पोस्को अधिनियम के लंबित मामलों को काफी हद तक कम करने की है, जिससे न्यायिक प्रणाली पर बोझ से राहत मिलेगी।

चिन्यालीसौड़ पहुंचे मुख्यमंत्री ने मजदूरों को भेंट किए एक-एक लाख रुपये के प्रोत्साहन वेक

देहरादून। उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सिलक्यारा सुरंग से रेस्क्यू किए गए श्रमिकों का हाल-जानने के लिए बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रचिन्यालीसौड़ पहुंचे। धामी ने रेस्क्यू की सफलता की खुशी में बुधवार को मुख्यमंत्री आवास पर श्रमिकों के परिजनों के साथ दिवाली मनाने की घोषणा की है। रेस्क्यू किए गए सभी श्रमिकों को हेलीकॉप्टर से ऋषिकेश के एस्स पहुंचा दिया गया है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चिन्यालीसौड़ पहुंचे। उन्होंने अस्पताल में भर्ती हर श्रमिक से मुलाकात की और उनका कुशलक्षेत्र जाना। उन्होंने डॉक्टरों से श्रमिकों के स्वास्थ्य लाभ व चिकित्सा उपचार की भी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने

परिजनों को देहरादून मुख्यमंत्री आवास पर दिवाली मनाने के लिए आमंत्रित किया है।

मुख्यमंत्री ने रेस्क्यू किए गए श्रमिकों में से टनकपुर, चंपावत के पुष्कर की माता से मोबाइल पर बात की और उन्हें पुष्कर के स्वस्थ होने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सभी श्रमिकों को सकुशल बचाकर राज्य सरकार ने अपना वचन निभाया है। मुख्यमंत्री ने पुष्कर की माता को बताया कि पुष्कर के साथ ही सभी श्रमिकों को भी 50-50 हजार की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि सुरंग हादसे के चलते हम सब इस बार दिवाली नहीं मना सके थे, अब सभी श्रमिकों को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिये जाने के बाद बुधवार को दिवाली का जश्न मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने श्रमिकों के

परिजनों को देहरादून मुख्यमंत्री आवास पर दिवाली मनाने के लिए आमंत्रित किया है।

मुख्यमंत्री धामी ने रेस्क्यू किए गए श्रमिकों में से टनकपुर, चंपावत के पुष्कर की माता से मोबाइल पर बात की और उन्हें पुष्कर के स्वस्थ होने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सभी श्रमिकों को सकुशल बचाकर राज्य सरकार ने अपना वचन निभाया है। मुख्यमंत्री ने पुष्कर की माता को बताया कि पुष्कर के साथ ही सभी श्रमिकों को भी 50-50 हजार की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने रेस्क्यू किए गए श्रमिकों के परिजनों से भी मुलाकात की। उन्होंने श्रमिकों के साहस, मनोबल और परिजनों के धैर्य के साथ ही रेस्क्यू अभियान में शामिल सभी एजेंसियों व कार्मिकों की अनथक मेहनत को इस अभियान की सफलता का आधार बताया।

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि

उत्तरकाशी सुरंग में फंसे श्रमिकों के बचाव का मामला मंगलवार की रात कैबिनेट की बैठक में आते ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बहुत भावुक हो गए थे। उन्होंने कहा कि 41 श्रमिकों के साथ केन्द्र सरकार, राज्य सरकार की पूरी कोशिशें और पूरे देश की प्रार्थनाएं थीं। हर एक की जान बचाने के लिए तरह-तरह के प्रयास किए गए। यहां तक कि चुनाव प्रचार के दौरान भी प्रधानमंत्री उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री से दिन में दो बार जानकारी ली जाती थी।

बुधवार को कैबिनेट की बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी देने के बाद एक प्रश्न का उत्तर देते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा कि उत्तराखण्ड की सुरंग में 17 दिनों तक फंसे 41 श्रमिकों ने टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन किया। उनकी नेतृत्व क्षमता से बहुत कुछ सीखने को मिलता है। उन्होंने कहा कि पहले भी देखते थे, जिस तरह काशी विश्ववाचन विद्यार्थी, कर्तव्य पथ के निर्माण के दौरान भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्रमिक भाई बहनों के साथ न केवल फोटो खिंचवाएं बल्कि उनके पैर भी धोएं। उसी तरह से हर भारतीय की जान को बचाने के लिए मोदी सरकार ने वो किया है, जो पहले देखने को नहीं मिलता था।



सुनी थी, तो लोग कि एक बार दर्शन कर लेना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, 'चाह गई, चिंता मिटी' मनवा बेपरवाह। आप जैसे लोग कम देखने को मिलते हैं।

इसके बाद अपने आशीर्वाचन में प्रेमानंदजी महाराज ने कहा कि अपने लोगों का जन्म सिर्फ

सेवा के लिए हुआ है। इसके दो पक्ष हैं। व्यवहारिकी और आध्यात्मक सेवा। यह दोनों सेवाएं अति अनिवार्य हैं। उन्होंने कहा कि हम भारत के लोगों को परम सुखी करना चाहते हैं, तो सिर्फ वस्तु और व्यवस्था से नहीं कर सकते हैं, उनका बौद्धिक स्तर सुधरना चाहिए।

प्रेमानंदजी महाराज ने कहा आज हमारे समाज का बौद्धिक स्तर गिरता चला जा रहा है, यह बहुत चिंता का विषय है। हम सुविधाएं दें देंगे, विविध प्रकार की भोग सामग्रियां दें देंगे, पर उनके हृदय की जानीनता है, हिंसात्मक प्रवृत्ति है, जो अपवित्र बुद्धि है, ये जब तक ठीक नहीं होंगी, तब तक चीजें नहीं बदलेंगी।

उन्होंने कहा कि हमारा देश धार्मिक देश है। यहां धर्म की प्रधानता है। इसी बात को लेकर बार-बार निवेदन करता हूं। हमारी नई पीढ़ी से ही हमारे राष्ट्र की रक्षा करने वाले प्रगट होते हैं। जो विद्यार्थीजन हैं, उसी में से कोई एमएलए बनेगा, कोई सांसद बनेगा, कोई मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री व राष्ट्रपति बनेगा, हमलोग भी

नई पीढ़ी को नास्तिक बनाने का प्रयास कर रही है सरकार: सिन्हा

बेगूसराय। राज्यसभा सदस्य (सांसद) प्रो. राकेश सिन्हा ने कहा है कि बिहार की नीतीश सरकार नई पीढ़ी को नास्तिक बनाने का प्रयास कर रही है। नई पीढ़ी को अपने धर्म संस्कृति का रास्ता दिखाने के बदले भौतिकवादी बनाया जा रहा है। शिक्षाविभाग के अपर सचिव के के पाठक रास्कुटीन की तरह काम कर रहे हैं।

बुधवार को बेगूसराय में आयोजित प्रेसवार्ता में प्रो. राकेश सिन्हा ने कहा कि रास्कुटीन ने रूस के राजा के प्रतीकूल जनता को खड़ा कर दिया था। शिक्षाविभाग से छुट्टी में कटौती और वृद्धि की मांग किसी संप्रदाय ने नहीं की थी। बिहार सरकार स्वयं ऐसा काम कर रही है कि दोनों संप्रदाय के बीच छुट्टी के लिए प्रतिस्पर्धा हो जाए, संघर्ष हो जाए और सरकार उस संप्रदाय एकता की फसल को काट ले।

उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार की सरकार राज्य में प्रशासन देने में अक्षम साबित हो रही है। भू-माफिया, बालू माफिया और शराब माफिया की बदौलत चलने वाली सरकार



लोगों का ध्यान बार-बार भटकाना चाहती है। छुट्टी में कटौती और वृद्धि भी इसी तरह की घटना है। जब रामनवमी, जन्माष्टमी, रक्षाबंधन, महाशिवरात्रि की छुट्टी का विवाद पैदा किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि तीन दिन विद्यालय बंद होने से शिक्षा व्यवस्था खराब नहीं हो जाएगी। बल्कि बैच-डेस्क, कंप्यूटर और भवन का अभाव, गलत मध्याह्न भोजन से बिहार की शिक्षा व्यवस्था बर्बाद हो रही है। दुर्गा पूजा, महाशिवरात्रि और जन्माष्टमी हमारी संस्कृति का त्योहार है। नई पीढ़ी को अपने विश्वास से

अलग करना नीतीश कुमार की गलत पद्धति है। जिस भी विद्यालय को सरकार का सहयोग मिलता है उसके लिए एक कानून होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि वन नेशन वन स्टेट होना चाहिए। नीतीश कुमार को बिहार के ही निवासी संविधान सभा के सदस्य तजामुल हुसैन से सीख लेनी चाहिए। उनके शब्दों को याद करनी चाहिए, तजामुल हुसैन ने कहा था कि अलग-अलग पूजा पद्धति होने से हम अलग नहीं हो सकते हैं, हमारे लिए एक कानून होना चाहिए। उनके शब्दों को याद कर नीतीश कुमार देश को बर्बाद करना बंद करें।

नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव की जोड़ी बिहार को मध्य युग में ले जाना चाहती है। ऐसा ही होने के कारण 1947 में देश का बंटवारा हुआ था।

यह तुषीकरण की नीति है। जब चुनाव आता है तो इलेक्ट्रोल कम्युनिज्म शुरू हो जाता है, चुनावी सांप्रदायिकता शुरू हो जाती है। इसकी अवधि छह महीने की होती है, चुनाव के छह महीने पहले यह चुनावी कीड़े सांप्रदायिकता के मुद्दे को उठाकर लोगों को उत्तेजित करते हैं, उनका ध्वीकरण करते हैं।

वह अपनी जड़ जमाना चाहते हैं, आज वही काम सरकार कर रही है। यह बहुत ही निंदनीय है, पूरे बिहार के स्कूल में एक प्रकार की छुट्टी हो, एक प्रकार की व्यवस्था होनी चाहिए। एक राज्य में दो प्रकार की नीति राज्य को बांटने का कार्य है। जो काम संविधान और समाज को स्वीकार हो वही होना चाहिए। कोई शुक्रवार को, कोई गुरुवार को, कोई मंगलवार को छुट्टी मांगेगा यह गलत है।

मुकेश सहनी निशाद आरक्षण जनसभा को संबोधित किया

मोतिहारी। VIP पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश सहनी बुधवार को मोतिहारी पहुंचे। यहां उन्होंने सुगौली मुसवा भेरियारी गांव में आयोजित निषाद आरक्षण जनसभा को संबोधित किया। जहां हजारों की संख्या में अपने समर्थकों को देख वह खुश दिखे। बता दें कि हेलिकॉप्टर से उतरने के बाद मंच तक वह पैदल चले। मुकेश सहनी अपनी जाति के लोगों को साधने के लिए लगातार दौरा कर रहे हैं। मोतिहारी में शामिल हुए जनसभा के दौरान वह अपने युवा समर्थकों के साथ हाथ मिलाते भी नजर आए। उनके अभिवादन के दौरान कार्यकर्ता गुलाब के फूल की बारिश कर स्वागत किए। मंच पर आने के साथ अपने समर्थकों का अभिवादन किया।

बालू माफियाओं का नरहट पुलिस पर हमला जान बचाकर भागे थानेदार, दो गिरफ्तार

बीएनएम@नवादा

बालू माफियाओं ने बुधवार की शाम नवादा जिले के नरहट थाने के खानपुरा बालू घाट के निकट ट्रैक्टर को जब्त करने गई पुलिस पर हमला कर ट्रैक्टर को छुड़ा ले गए। हमले के बाद जान के भय से नरहट के थाना प्रभारी मुन्ना वर्मा सहित पुलिस कर्मियों को भागना पड़ा। एक मोटरसाइकिल भी क्षतिग्रस्त कर दी गई। वहां दो अपराधियों को बाद में पुलिस ने गिरफ्तार कर ट्रैक्टर जप्त कर ली है।

नरहट के थाना प्रभारी मुन्ना वर्मा ने इस घटना पर पर्दा डालने की नीति से मीडिया कर्मियों से गलत बयानी कर घटना से इनकार कर दिया। जबकि आसपास के ग्रामीणों ने घटना की पुष्टि की।

रजौली के एस्पीडीओ पंकज कुमार से बात करने पर उन्होंने बताया कि बालू माफिया पुलिस द्वारा जब्त किए गए ट्रैक्टर को जबरन



छुड़ाकर ले भागे थे। बाद में ट्रैक्टर को जब्त कर इस घटना में शामिल दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने कहा है कि जल्द ही प्राथमिकी दर्ज कर इस हमले में शामिल अन्य लोगों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बीएनएम@नवादा

गठबंधन सरकार का मुस्लिम तुषीकरण की नीति बेहद शर्मनाक एवं निंदनीय है। तुगलकी एवं मुगलिया फरमान जारी कर नीतीश सरकार बिहार में छुट्टियों को लेकर लागू कर दिए हैं। वही दूसरे धर्म के पर्व त्योहार में छुट्टियों को बढ़ाना एवं हिन्दू धर्म के त्योहार में छुट्टियों की कटौती कर कुठाराधात कर रही है। उक्त बातें भाजा महिला प्रकोष्ठ के निर्वत्मान प्रदेश अध्यक्ष लाजवंती ज्ञा ने कही।

उन्होंने कहा कि ये कैसा न्याय है। रक्षाबंधन, जितिया, जन्माष्टमी, छठ, दुर्गापूजा इन सभी की छुट्टियों में कटौती करके नीतीश सरकार महिलाओं के प्रति अपराध ही नहीं बल्कि महिलाओं के प्रति असंवेदनशीलता की पराकाष्ठा दर्शा रही है। पहले भी उनके मंत्री लोग हिन्दू धर्म के अपमान में कई

असंवेदनशील एवं धृणित बयानबाजी कर चुके हैं। अब तो हद ही पार कर दिए कि हिन्दू पर्व त्योहार की छुट्टी ही समाप्त कर दी गई।

ज्ञा ने कहा कि नीतीश कुमार ये सोच कर मुस्लिम वोटर को खुश करना चाहते हैं कि आने वाले समय में उनका वोट उन्हें मिलेगा, ग्राम में ही नीतीश जी। वे न तो उनके थे न हैं न रहेंगे। परंतु जो दलित, पिछड़ा वोटर उनके थे जिन महिला वोटर को आप अपनी बपौती समझते थे। वे जरूर उनके करतूत से आने वाले समय में उन्हें मुंह तोड़ जवाब देंगी। महिला शिक्षिकाओं को, आंगनबाड़ी सेविका को, आशा कार्यकर्ता को अपने हक के लिए विरोध प्रदर्शन करने पर सड़क पर दौड़ा दौड़ा कर पीटते हैं। वही पर्व त्योहार में छुट्टी काट कर उनको परेशानी में डालते हैं क्योंकि जितनी भी छुट्टी काटी गई है। सभी महिलाओं के लिए महत्वपूर्ण है। रक्षा बंधन पर वे साल में एक

बार मायके जाने का अवसर तलाशती थी जितिया, जन्माष्टमी, दुर्गापूजा सभी में ब्रत रखती है। इन सभी मां बहनों को निःसंदेह मानसिक रूप से प्रतारित करने का काम किया गया है। इन मन बहनों की आह ले द्वैबेगी नीतीश जी को। वैसे भी नीतीश जी महिलाओं के सम्मान में ऐसा बयान सदन में दे चुके हैं कि कोई सोच भी नहीं सकता है। उनकी सरकार से उम्मीद ही क्या किया जा सकता है। दलित नेता जीतन राम मांझी जी के साथ सदन में उनका व्यवहार स्पष्ट दर्शाता है कि वे दलित विरोधी हैं। सरकार महिला विरोधी, दलित विरोधी सबसे बढ़कर हिन्दू विरोधी सरकार है। सभी एकजुट होकर अब इनकी विदाई करेंगी। उन्होंने कहा कि वे दिन दूर नहीं हैं। आने वाले चुनाव 2024 एवं 2025 में इनको जनता जवाब देंगी एवं सत्ता से बाहर का रास्ता दिखायेंगी।

सहयोग पर्व-त्योहार में छुट्टी में कटौती किए जाने से हर ओर आक्रोश

वोट बैंक के लिए हिन्दू को उसका रही सरकार: अभाविप

बीएनएम@बेगूसराय। बिहार सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा हिन्दुओं के पर्व-त्योहार में छुट्टी में कटौती किए जाने से हर ओर आक्रोश है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बेगूसराय नगर इकाई द्वारा आज जीडी कॉलेज में बिहार के मुख्यमंत्री के खिलाफ नारेबाजी कर आक्रोश मार्च निकाला गया।

मौके पर कार्यकर्ताओं ने कहा कि पिछले दिनों बिहार सरकार के द्वारा राम नवमी, रक्षा बंधन, तीज, जितिया, गांधी जयंती, गुरुनानक जयंती, अनंत चतुर्दशी सहित अन्य वर्षों से चली आ रही छुट्टी को खत्म कर दिया गया। लेकिन एक विशेष वर्ष को खुश करने के लिए इद, बकरीद, मुहर्म की छुट्टी को बढ़ा दिया गया। इसके साथ ही साथ शिक्षक की इयूटी को बढ़ा कर नौ बजे सुबह से पांच बजे शाम कर दिया गया। नवनियुक्त शिक्षक और पूर्व के वैसेशिक्षक जो अपने घर से किलोमीटर या

 **कवि जाँच घर** / **डॉ. संजय कुमार** 

Mob.: 7033441319 **Tollfree: 1800 3099 895**
Address : Bhawanipur Zirat, Motihari, East Champaran-845401
website: www.kavidiagnostics.com | email: drsanjaykumar63@gmail.com

हर्ष फायरिंग पर दो साल की सजा: एसपी

मोतिहारी। शादी-विवाह एवं अन्य मांगलिक आयोजनो में हर्ष फायरिंग से होने वाली घटना पर अंकुश लगाने को लेकर एसपी सख्त है। बुधवार को उन्होंने पुलिस मुख्यालय से प्राप्त आदेश के आलोक में जिले भर के होटल एवं विवाह भवन के संचालकों के साथ बैठक कर उन्हें निर्देशित किया, साथ ही हर्ष फायरिंग को लेकर किये गये कानूनी प्रावधानों व अधिनियमों की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि आयुध अधिनियम 1959 की धारा 17 एवं 25 की उप धारा 9 के तहत हर्ष फायरिंग के मामले में दो साल की सजा एवं एक लाख तक जुर्माना निर्धारित है। उन्होंने होटल एवं विवाह भवन संचालकों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि ऐसे मामले सामने आने के बाद संचालकों पर भी सख्त कार्रवाई की जायेगी।



बार्डर पर बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

मोतिहारी। जिले के रक्सौल स्थित भारत-नेपाल मैत्री पुल पर जांच के क्रम में एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया गया है बांग्लादेशी नागरिक मैत्री पुल पर तैनात एसएसबी के द्वारा जांच के क्रम में पकड़ा गया। जिसकी पहचान मुगर अली का पुत्र सैफुल खान बताया जा रहा है। जो बांग्लादेश के दौतीया पोस्ट कमालपुर थाना धनराई जिला ढाका बांग्लादेश का निवासी है। सैफुल खान रक्सौल से ई रिक्शा पकड़ कर नेपाल के बीरगंज शहर जा रहा था। जहां मैत्री पुल पर जांच के क्रम में उसके बैग से भारतीय पहचान

पत्र व बांग्लादेशी पहचान प्रत्र प्राप्त हआ है।

इसके पास से भारतीय आधार कार्ड, पैन कार्ड, एटीएम कार्ड एवं बांग्लादेशी आईडी कार्ड पकड़ा गया है। एसएसबी ने पूछताछ के बाद उसे हरैया थाना में सौप दिया है। वही हरैया पुलिस के द्वारा बांग्लादेशी नागरिक सैफुल खान से पूछताछ के दौरान बताया कि 2018 में भारत बांग्लादेश संगपुर बॉर्डर पर एक एंजेंट मोहम्मद मौजिद नामक व्यक्ति के माध्यम से भारत में प्रवेश किया था। इसके लिए उसने 20 हजार रुपये लिए थे। वही से सिलीगुड़ी होते हुए वह नेपाल के काठमांडू

करता था लेकिन नागरिकता नहीं रहने के चलते उसे हमेशा पकड़े जाने का डर बना रहता था। फिर वह भारत के गुजरात के अहमदाबाद नरौला में जा कर रहने लगा वहाँ पर किसी अकबर नामक व्यक्ति से संपर्क किया जिसने उसका फर्जी आधार कार्ड, पैन कार्ड बनवाया जिसके आधार पर उसने बैंक में खाता खुलवाया। उसने बताया कि वह नेपाल के काठमांडू में किसी के शादी में शामिल होने जा रहा था तब तक मैत्री पुल पर एसएसबी के द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया।

मैथिली ठाकुर ने युवाओं मतदाता बनने को किया जागरूक

बीएनएम@मोतिहारी

भारत निर्वाचन आयोग के तत्त्वावधान में बुधवार को एमएस कॉलेज के सभागार में प्रसिद्ध लोक गायिका मैथिली ठाकुर ने युवा मतदाताओं को चुनाव के प्रति सजग किया। वहीं उन्होंने अपनी प्रस्तुति से छात्र-छात्राओं सहित कार्यक्रम में भाग ले रहे लोगों को भाव विभोर कर जमकर तालिया बटोरी। डीएमएवं प्राचार्य प्रौ. (डॉ.) अरुण कुमार ने मैथिली ठाकुर को अंगवस्त्र से सम्मानित किया।

जिलाधिकारी ने कहा कि लोकतंत्र के महापर्व में भारीदारी करने के लिए आपका वोटर बनना आवश्यक है, इसी उद्देश्य से यह आयोजन किया गया है। ताकि वोटर बनने की उम्र की सर्तें पूरी करनेवाले तमाम युवाओं की इसमें भारीदारी सुनिश्चित हो सके। इस कार्य के लिए महाविद्यालय में विशेष शिविर का आयोजन किया जाएगा। वही एसपी ने युवाओं का आह्वान करते हए उन्हें नये वोटर बनने के



लिए प्रेरित किया। तत्पश्चात मैथिली ठाकुर के गायन का कार्यक्रम शुरू हुआ। सुरीली आवाज से उन्होंने समा बांध दिया। जहां तालियों की गड़गड़ाहट से परा महाविद्यालय

परिसर गुंजायमान हो गया ।
सूफियाना अंदाज में छाप तिलक सब
छीनीरे मोह से नैना मिलाइके से कार्यक्रम का
आगाज कर लोगों की दिल में जगह बना

लिया। तत्पश्चात्, लाल मोरी पत रखियो बल
झूले लालन; गाकर कार्यक्रम को उचाई देने
का प्रयास किया। मिथिला नगरिया निहल
सखिया ने कार्यक्रम को अविस्मरणीय बन

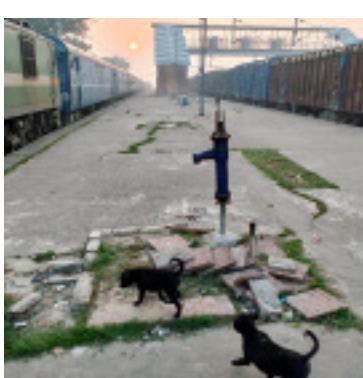
दिया। तत्पश्चात मैथिली ठाकुर ने युवाओं को बोटर बनने का संदेश अपने खास लहजे में दिया।

उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक संख्या में मतदाता बन अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र को मजबूती एवं राष्ट्रनिर्माण में भागीदारी प्रदान करें। इस अवसर पर मैथिली ठाकुर के गुरु और पिता रमेश ठाकुर भी उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2024 के तहत दावा आपत्ति का समय 27 अक्टूबर से 9 दिसंबर 2023 तक है। जबकि विशेष कैप 2 एवं 3 दिसंबर को लगेगा। 5 जनवरी 2024 को अंतिम प्रकाशन किया जायेगा। युवाओं के लिए वोटर हेल्पलाइन नंबर 1950, मोबाइल एप वोटर सर्विस पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन प्रपत्र 6, 7, 8 भर सकते हैं या अपने संबंधित बीएलओ को आवेदन दे सकते हैं।

आदापूर रेलवे स्टेशन अपनी मूलभूत सुविधाओं से वंचित

मोतिहारी। नरकटियांगंज-दरभंगा रेल खंड के आदापुर रेलवे स्टेशन अपनी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है कहने के लिए तो ये रेलवे स्टेशन इंडो नेपाल बॉर्डर से सटे होने से दूरगामी यात्रियों की भीड़ लगी रहती है। लेकिन स्टेशन परिसर में सुलभ शौचालय व प्रयात पानी की व्यवस्था नहीं रहने अगल-बगल के स्टेशनों से जाकर यात्रा करना मुनासिब समझते हैं बताया जाता है कि अपवाडाउन मिलाकर पांच जोड़ी सवारी गाड़ी इस रूट से गुजरती है पांच चापाकल की पाईप स्टेशन परिसर में दिखाई तो देता है लेकिन चालू दो चापाकल हैं। एक चापाकाल प्लेटफार्म एक पर वैटिंग रूप व रिले रूम के बीच में है। दूसरा चापाकल स्टेशन के पीछे हनुमान मंदिर के पास है। वही स्टेशन के दूसरे प्लेटफार्म पर गाड़े गए चापाकाल खराब पड़ा है यात्रियों को थूकने व कचरा रखने के लिए छह कूड़ेदान स्टेशन अधीक्षक के कार्यालय से लेकर वैटिंग रूम तक रखा गया है साफ



सफाई के अभाव में हमेशा स्टेशन परिसर में गंदगी लगा रहता है बताया जाता है की दो प्राइवेट सफाई कर्मी हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए स्टेशन परिसर के ओभरब्रीज के पास महिला व पुरुष के लिए शौचालय बना है। लेकिन उचित देख रेख व रख रखाव नहीं होने से चारों तरफ से बड़े बड़े पेड़ पौधे उग गए हैं। इससे हमेशा सांप बिछू निकलने का भय बना रहता है। यात्री मनोज प्रसाद गुप्ता व जदयू नेता मोइउद्दीन बताते हैं कि श्यामपुर बाजार

की तरफ से उक्त रेलवे स्टेशन परिसर में रेलवे ट्रेक टप कर जाते हैं। मात्र एक से दो नम्बर प्लेटफार्म पर आने जाने के लिए ओवर ब्रिज बना है। लेकिन स्टेशन परिसर में साफ सफाई की कमी रहती है। शौचालय बना है लेकिन चालू नहीं है। उसके चारों तरफ पेड़ पौधा उगाकर झाड़ी का रूप धारण कर लिया है। उक्त स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेन का ठहराव व मूलभूत सुविधा नहीं होने से दूरदराज यात्रा करने के लिए यात्रियों को दूसरे रक्सौल जाकर ट्रेन पकड़ने जाते हैं। वही स्टेशन के पुरब श्यामपुर रेलवे ढाला के समतल सड़क नहीं होने से रेलवे ट्रेक पार करने में वाहन हमेशा दुर्घटना ग्रस्त हो जाता है। आदापुर अधीक्षक संजय कुमार सिंह ने बताया कि प्लेटफार्म पर चार चापाकल था। लेकिन एक चापाकल चालू है। एक शौचालय व साफ सफाई के लिए दो प्राइवेट सफाई कर्मी हैं। श्यामपुर बाजार की तरफ से आने जाने वाले राहगीर रेलवे ट्रेक टप कर आते जाते हैं।

एलएनडी कॉलेज में जेन्स ट्रावालेट व गलर्स कॉमन रूम का हुआ उद्घाटन

मोतिहारी। शहर के लक्ष्मी नारायण दुर्देव महाविद्यालय में बुधवार को प्राचार्य प्रो. (डॉ.) अरुण कुमार द्वारा फीता काटकर बहुप्रतीक्षित जेन्स ट्वालेट व गर्ल्स कॉमन रूम का उद्घाटन किया गया। जातव्य हो कि इस महाविद्यालय में विद्यार्थियों द्वारा एक लंबे असेंसर से जेन्स ट्वालेट व गर्ल्स कॉमन रूम की मांग की जा रही थी। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार के अनुसार प्राचार्य की प्रशासनिक दक्षता व निरंतर सक्रियता के कारण यहां महाविद्यालय आधारभूत संरचनाओं की दिशा में नित्य नई ऊँचाई को छू रहा है। गर्ल्स कॉमन रूम के उद्घाटन पर छात्राएं अधिक प्रसन्न दिख रही थी। प्राचार्य ने गर्ल्स कॉमन रूम का इंवार्ज हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. संतोष विश्नो को आदेशित किया है। चतुर्थवर्षीय स्टाफ रेखा कुमारी की भी गर्ल्स कॉमन रूम में प्रतिनियुक्ति कर दी गई है। सहायकाचार्यों की ओर से दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) राजेश



कुमार सिन्हा, इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार, राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. कुमार राकेश रंजन, अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष लेफिटनेंट दुर्गेश मणि तिवारी, भौतिकी विभागाध्यक्ष डॉ. पिनाकी लाहा, भूगोल विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश रंजन कुमार, वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. अरविंद कुमार, उद्योग विभागाध्यक्ष डॉ. जौवाद हुसैन, हिंदी सहायक वाचार्य डॉ. रविरंजन सिंह, प्रधान सहायक राजीव कुमार, लेखापाल कामेश भूषण, सहायक लेखापाल, अखिलेश कुमार सहित सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

सीमावर्ती क्षेत्र के युवाओं को एसएसबी दे रहा प्रशिक्षण

मोतिहारी। भारत-नेपाल सीमा पर तैनात एसएसबी की 47वीं बटालियन के द्वारा नागरिक कल्याण कार्यक्रम के तहत 28 ग्रामीण युवाओं को 15 दिवसीय मोबाइल प्रशिक्षण की शुरुआत की गई। सिक्ता की जनता उच्च विद्यालय में एसएसबी कमांडेट विकास कुमार ने दीप प्रज्ञलित कर इसकी शुरुआत की। कमांडेट विकास कुमार ने बताया कि सीमावर्ती क्षेत्र के लोगों के विकास के लिए एसएसबी के द्वारा कई तरह के नागरिक कल्याण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जिसमें ग्रामीणों को बकरी पालन, प्लंबिंग कोर्स, इलेक्ट्रिशियन कोर्स, महिलाओं के लिए सिलाई कोर्स व बयूटीसीयन कोर्स कराया जाता है। जिसका उद्देश्य यही है कि सीमावर्ती गांव के लोगों को रोजगार मिल सके और वे आत्मनिर्भर बन सकें। एसएसबी सहायक कमांडेट मदन मोहन भट्ट, सेनुवारिया बीओपी इंचार्ज उत्तम कुमार घोष, मुख्य राजन चौरसिया, सिक्ता प्रमुख मनीष श्रीवास्तव मौजूद रहे।

अपराधियों का चारागाह बना घोड़ासहन

स्कूल जा रहे शिक्षक राजकुमार को बदमाशों ने मारी गोली, हालात गंभीर

पुलिस के त्वरित कार्रवाई के बाद भी नहीं थम रही है आपराधिक घटनाएं

सागर सूरज

बीएनएम@मोतिहारी। भारत-नेपाल सीमा से सटे घोड़ासहन इन दिनों आपराधिक वारदातों को लेकर लगातार सुर्खियों में है। बुधवार को घोड़ासहन के भेलवा जा रहे एक 49 वर्षीय शिक्षक राजकुमार सिंह को गोली मार दी गई है। पुलिस ने बताया कि शिक्षक मोतिहारी हवाई अड्डा इलाके से प्रतिदिन घोड़ासहन के एक स्कूल में पढ़ाने जाते थे।

अपराधी घात लगा कर बैठे थे समदा गाँव के पास शिक्षक के सीने पर दो गोली मार दी गई। अपराधी हत्या के लिए इन्होंने आतुर थे की गोली मारने के बाद शिक्षक को दनादन 15 बार चाकू से गोंध डाला। मृतक के भतीजा आदर्श राज ने कहा कि उनके चाचा का किसी



से भी कोई झगड़ा तकरार नहीं था। नाजुक स्थिति में शिक्षक को मोतिहारी के एक नर्सिंग होम में भर्ती किया गया है।

बताया गया कि शिक्षक अरेराज के बहादुपुर गाँव के रहने वाले थे। आदर्श राज की बात को अगर सही मान लिया जाए तो शिक्षक का अपने गाँव या हवाई अड्डा इलाके में कोई दुश्मनी या विवाद नहीं थी, ऐसी स्थिति में हो सकता है हत्यारों का संबंध घोड़ासहन इलाके से ही रहा हो वैसे पुलिस मामले की तहकीकात में लग गई है। इधर घोड़ासहन से

जुड़े अपराधियों के नेटवर्क को पुलिस तोड़ पाने में विफल दिख रही है।

गत दिनों ही घोड़ासहन थाने से महज 300 मीटर की दूरी पर स्थित एक पेट्रोल पम्प के मुंशी को धायल कर अपराधियों ने 2.25 लाख रुपये लूट लिए। हालांकि पुलिस ने तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर लेने का दावा भी किया है। साथ ही 1 लाख रुपया बरामदगी की बात भी सामने आई है। इधर 10 लाख रुपये के कीमत की मोबाइल एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक पार्ट्स की चोरी मामले में हरियाणा की पुलिस

भी गत दिनों घोड़ासहन इलाके में आई थी। नेपाल सीमा स्थित अठमुहान इलाके में छापेमारी की गई। बदमाशों ने हरियाणा के पंचकुला इलाके के दुकान की शटर तोड़ इस चोरी की घटना को अंजाम दिया था।

यही नहीं गत महीने ही लौखान-बलान चौक पर अपराधियों ने एक बाइक सवार व्यक्ति को गोली मार कर हत्या कर दी। मृतक युवक सुशील महतो की हत्या कर उसकी बाइक लूट ली गई। यही नहीं इसी इलाके में स्थित एक ओपी झारोखर स्थित एक पूल पर एक होम गार्ड जवान को लोगों ने पीट पीट कर हत्या कर दी।

मामले में एक शराबी की गिरफ्तारी के बाद ग्रामीण उग्र हो गए और घटना को अंजाम दिया गया। घोड़ासहन के गुदरी बाजार में पैक्स गोदाम से चोरों ने 10 लाख की संपत्ति की चोरी कर ली। चार अलग अलग कमरों में रखे गए अलमिरा को तोड़ कर चोरी की घटना को अंजाम दिया गया।

छाप तिलक सब छीनी रे मोहसे नैना मिलाइके

सुप्रसिद्ध लोकगायिका मैथिली ठाकुर व डॉ नीतू कुमारी नूतन की प्रस्तुति पर झूमें दर्शक

अमृतेश कुमार ठाकुर



कुमार पाठक, पूर्व विधायक सचिन्द्र सिंह, मार्टिण नारायण सिंह, शम्भु महतो, अनंद सिंह, मुकेश कुमार, गुड़ी देवी, सुमन पाण्डे यह सहित अन्य मौजूद थे।

प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित

महोत्सव के दूसरे दिन किवज, वाद-विवाद प्रतियोगिता, पेटिंग व रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में सफल छात्र-छात्राओं को विधायक शालिनी मिश्रा, डीपीआरओ

गुप्तेश्वर कुमार व डीईओ संजय कुमार ने प्रशस्ति पत्र व मेडल देकर सम्मानित किया। इसके बाद वर्तमान परिदृश्य में बौद्ध धर्म की प्रारंभिकता विषय पर परिचार्चा की गई। जिसमें जिला शिक्षा पदाधिकारी संजय कुमार, पूर्व चिकित्सा पदाधिकारी डॉ परमेश्वर आज्ञा, दैनिक जागरण पटना के वरिष्ठ पत्रकार शिवशंकर बिहार सहित अन्य वक्ताओं ने अपने विचार साझा किये।

लेजर शो में दिखाया गया बुद्ध बिहार का इतिहास

आयोजन के दौरान करीब 18 मिनट का लेजर शो दिखाया गया। इसमें भगवान बुद्ध की जीवनी व केसरिया स्तूप के इतिहास के बारे में

रेलिया बैरेन पिया को लिये जाये रे

देश की कई दिग्गज कलाकारों के साथ मंच साझा कर चुकी व मौरीशस कला सम्मान से सम्मानित प्रसिद्ध लोकगायिका डॉ नीतू कुमारी नूतन के निकल लागे हो बड़ा निक लागे हो, सिया राम जी के जोड़ी बड़ा निक लागे.... व रेलिया बैरेन पिया को लिये जाये रे गीत पर लोग झूम उठे। इसके बाद उन्होंने पिया गईले कलकत्ता रे सजनी सहित कई अन्य लोकगीत पेश किया। इससे पहले सारे गा मा लिटल चैम्प सीजन पाँच की विजेता व सुरसंग्राम में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुकी प्रसिद्ध गायिका अनुष्ठिया ने माटी में मिलल जाता चढ़ल जवनिवां.... की प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुद्ध कर दिया। वहीं कई मंचों पर अपनी प्रस्तुति दे चुके गीरीश श्रीवास्तव ने हम तेरे शहर में आये हैं मुसाफिर की तरह, कौने रे जोगिनिया जोगवा साधे ले रे... व हमरी अटरिया पे.... की शानदार प्रस्तुति पर दर्शकों ने जमकर तालियां बजायी। वहीं कई मंचों पर कथक नृत्य प्रस्तुत कर चुकी बाल नृत्यांगना प्रिया प्रकाश ने घर मोरे परदेशिया आओ पधारो पिया गीत पर शानदार नृत्य किया।

विस्तार से बताया गया। वहीं हुसेनी मजार, केशरनाथ मंदिर, सतराघाट, ढेकहाँ मठ आदि की भी जानकारी दी गई।

मैथिली के गीत पर झूमें दर्शक

केसरिया महोत्सव के दूसरे दिन सुप्रसिद्ध लोकगायिका मैथिली ठाकुर आकर्षण का केंद्र रही। जब उन्होंने छाप तिलक सब छीनी रे मोहसे नैना मिलाइके गीत की प्रस्तुति दी उस पर दर्शक दीर्घ तालियों से गूंज उठा। उसके बाद दम दम मस्त कलंदर, चारु दूल्हा में बड़का कमाल सखिया, श्रीराम जानकी बैठे हैं मेरे सीने में व छठ गीत सहित अन्य गीत की प्रस्तुति दी।

उनके साथ तबले पर मैथिली के भाई ऋषभ ठाकुर, हारमोनियम पर लारी सिद्ध ढोलक पर राजेन्द्र, ढोल पर करण व उनके पिता रमेश ठाकुर व भाई अयाची ठाकुर ने

नौदिवसीय श्री बजरंग बली महायज्ञ का आयोजन

मोतिहारी। जिले के कोटवा प्रखंड अंतर्गत गोपी छपरा पंचायत स्थित बेलवा माधो मठ प्रांगण में नौदिवसीय श्री बजरंग बली महायज्ञ का आयोजन किया गया है। जिसको लेकर आज भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें की संख्या में कन्याएं, महिला श्रद्धालुओं द्वारा सिर पर कलश लेकर पूरे गांव का भ्रमण किया गया। कलश यात्रा में घोड़ा, छोटी बड़ी गाड़ियां, रथ, गाजे-बाजे, डीजे आदि शामिल था। इस दौरान जय श्री राम

व जय हनुमान के जयघोष से पूरा क्षेत्र गूंजता रहा। वहीं मठ प्रांगण से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलश यात्रा रवाना हुई जो पूरे गांव का भ्रमण करते हुए बेलवा माधो चौक एनएच 27 से सेमुआपुर, धनगढ़ा चौक, रामपुर खजुरिया चौक से गुजरते हुए डुमरिया घाट नदी से आचार्य के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच यजमान जगत सिंह, जय मंगल सिंह, नारेंद्र सिंह, महातम सिंह, हरि शंकर सिंह, यमुना साह के साथ विधिवत पूजन कर जलबोझी किया गया। जलबोझी के साथ ही जलयात्रा यज्ञ स्थल तक पहुंची जहां विधिवत कलश स्थापना की गई। यज्ञ समिति के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह ने बताया कि यहां विगत पांच वर्षों से महायज्ञ का आयोजन होता आ रहा है।

संगत किया। मैथिली के कार्यक्रम के दौरान दर्शकों में अलग का उत्साह देखने को मिला। जहाँ पंडाल में भारी संख्या में मौजूद लोग

Editorial

लाखों रोगियों को दिया उजाला

जब समाज में डॉक्टरों को लेकर तमाम तरह की नकारात्मक बातें होने लगी हैं, तब कुछ ऐसे भी डॉक्टर हैं जो अपने काम से सर्वप्रिय हो जाते हैं। उनका सब स्वतः ही समान करने लगते हैं। शंकर नेत्रालय के संस्थापक डॉ.एस.एस. बद्रीनाथ भी उस तरह के डॉक्टर थे। उनकी वजह से आंखों के लाखों रोगियों के जीवन में खुशियां आ गई थीं। उनके हाल ही में हुए निधन से देश ने एक इस तरह के डॉक्टर को खो दिया जिसने अमीर-ग्रामीण रोगियों के बीच में कमी भी भेदभाव नहीं किया। उनकी निगरानी में चेन्नई में शंकर नेत्रालय शुरू हुआ और वह भारत के सबसे बड़े धर्मर्थ नेत्र अस्पतालों में से एक के तौर पर स्थापित हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डॉ.बद्रीनाथ के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए ठीक ही कहा कि आंखों की देखभाल में डॉ. बद्रीनाथ के योगदान और समाज के प्रति उनकी अथक सेवा ने एक अमिट छाप छोड़ी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि डॉ. बद्रीनाथ का काम आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बना रहेगा। आजकल बहुत से डॉक्टरों के रोगियों के साथ सही से इलाज न करने के समाचार सुनने को मिलते रहते हैं, तब डॉ. बद्रीनाथ जैसे डॉक्टर ही एक तरह से उम्मीद की किरण जगाते हैं। उनका हमारे बीच में होना सुकून देता था। वे नेत्र रोगियों के जीवन में आशा की किरण जगाते रहे। किसी भी रोगी के लिए अपने नेत्र चिकित्सक का चयन करना आसान नहीं होता। आखिरकार, रोगी अपनी बहुमूल्य दृष्टि की सुरक्षा के लिए और उसे आजीवन उत्तम स्थिति में बनाए रखने में किसी श्रेष्ठ डॉक्टर की तलाश में रहते हैं। उन्हें जब डॉ. बद्रीनाथ जैसा सच्चा और ईमानदार डॉक्टर मिल जाता है तो उनकी परेशानी दूर हो जाती है। डॉ. बद्रीनाथ ने मद्रास मेडिकल कॉलेज से मेडिसिन की पढ़ाई की थी। उन्होंने 1963 और 1968 के बीच ग्रासलैंड हॉस्पिटल, न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी पोस्ट-ग्रेजुएट मेडिकल स्कूल और ब्रुकलिन आर्ड एंड ईयर इन्फर्मरी में नेत्र विज्ञान में स्नातकोत्तर की पढ़ाई की। अमेरिका में डॉ. बद्रीनाथ की मुलाकात डॉ. वासंती से हुई।



भारत ने दिलाई मोटे अनाज को अंतरराष्ट्रीय पहचान

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

मोटा अनाज यानी की श्रीअन्न आज दुनिया की पसंद बनता जा रहा है। दूरगामी सोच का ही परिणाम है कि आज समूची दुनिया 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट ईयर के रूप में मना रही है। मोटे अनाज के महत्व और पोषकता को देखते हुए ही इसे श्रीअन्न कहकर पुकारा गया। 2018 में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मोटे अनाज को पोषक अनाज घोषित करने के लिए विश्वव्यापी अभियान शुरू किया था। यह उनके प्रयासों का नतीजा है कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने मोटे अनाज के महत्व को समझते हुए 2023 को इंटरनेशनल मिलेट ईयर घोषित किया। आज देश-दुनिया के देश मोटे अनाज के प्रति जागरूक हो रहे हैं। दरअसल खान-पान के चलते एक के बाद एक बीमारियों से लोग दो-चार होने लगे हैं। ऐसे में मोटा अनाज एक बेहतर विकास है।

मोटे अनाज का गुणगान होने लगा है। अन्नदाता की मेहनत से देश खाद्यान्न को लेकर आत्मनिर्भर बन गया है। कोरोना त्रासदी से लेकर अब तक जरूरतमंद लोगों तक निःशुल्क खाद्यान्न की उपलब्धता बढ़ा सहारा बनी है। हरित क्रांति समय की मांग थी और आज भी है। पर अब समूची दुनिया में रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से होने वाले दुष्परिणामों और नित नई बीमारियों से त्रस्त होने के कारण विकल्प तलाश जाने लगा है और मोटे अनाज को दुनिया के देश बेहतर विकल्प और आशा के रूप में देख रहे हैं। इसमें कोई दोराया नहीं कि एक समय था जब मोटा अनाज प्रमुख भोजन होता था। आज भी दुनिया में कुल उत्पादित मोटे अनाज में हमारे देश की भागीदारी 41 प्रतिशत है। राजस्थान, महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात, मध्यप्रदेश, तमिलनाडू, आंध्र प्रदेश आदि प्रमुख राज्य हैं। आज मोटे अनाज के निर्यात में भी भारत प्रमुख देश है। हमारे देश से गुजरे साल 2.69 करोड़ डॉलर का मोटा अनाज अमेरिका को निर्यात किया गया है। 13 प्रकार के अनाज को मोटे अनाज के रूप में माना जाता है। यह हैं बाजरा, रागी, कुटकी, संवा, ज्यारा, कंगनी, चेना और कोदों को माना जाता है।

Today's Opinion

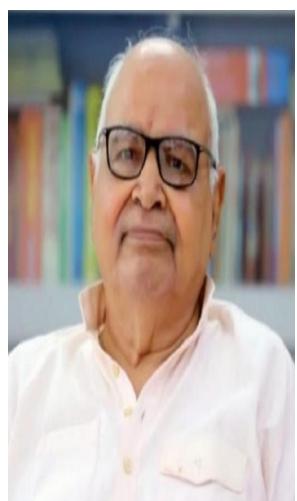
भारत को छद्म सेक्युलरवाद से मुक्ति चाहिए

अपने विवेक और विश्वास के आधार पर जीना प्रत्येक व्यक्ति का अधिकार है। भारतीय संविधान (अनु. 19) में विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, संगठन बनाने व देश में अबाध संचरण के मौलिक अधिकार हैं। लेकिन छद्म सेकुलरवादी राष्ट्र राष्ट्रीयता व संवैधानिक मूल्यों पर आक्रामक रहते हैं। हाल में तमिलनाडु की स्टालिन सरकार ने सेकुलरिज्म के नाम पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पथ संचरण कार्यक्रम पर रोक लगाई थी। सरकार ने प्रस्तावित कार्यक्रम के मार्ग में मस्जिद और चर्च होने के अमान्य तर्फ दिए और कार्यक्रम की अनुमति देने से इनकार किया। मद्रास उच्च न्यायालय ने इस कृत्य पर कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा है कि, 'संघ को अनुमति देने से इनकार करने का निर्णय संविधान की पंथनिरपेक्ष नीति के विरुद्ध है और लोकतान्त्रिक सिद्धान्तों के भी असंगत है।' सरकार का निर्णय मौलिक अधिकारों के भी विरुद्ध है। स्टालिन सरकार ने सेकुलरवादवाद की आड़ में पिछले वर्ष भी ऐसा ही किया था। तब संघ ने गांधी जयंती और भारतीय स्वतंत्रता के 75 साल पूरे होने के अवसर पर कार्यक्रम करने की अनुमति मांगी थी। सरकार ने अनुमति नहीं दी। संघ ने तब भी न्यायालय की शरण ली थी। वस्तुतः स्टालिन सरकार भारतीय सांस्कृतिक विचार का विरोध करती है। बेशक अपनी विचारधारा का प्रसार करना सबका अधिकार है लेकिन स्टालिन सरकार सनातन परम्परा को मलेरिया देंगे।

कोरोना आदि बताती है। सनातन परम्परा व संवैधानिक आदर्शों का अपमान करती है और इस सब के लिए छाते सेकुलरवाद का सहारा लेती है। भारत के अधिकांश दर्शक सेकुलरवाद के बहाने बहुसंख्यकों की भावना व आक्रामक रहते हैं। सेकुलरवाद भारतीय विचार नहीं है। यह विचार यूरोप से आया है। इस शब्द का अर्थ प्रत्यक्ष भौतिक या सांसारिक होता है। इस विचार में आस्था के सभी के गैरसेकुलर हैं। सेकुलरवाद की परिभाषा में सभी आस्था और विश्वास गैरसेकुलर हैं। ईश्वर भी प्रत्यक्ष भौतिक संरचना नहीं है। ईश्वर प्रत्यय है और विश्वास है। इसलिए सेकुलर नहीं है। सर्वोच्च न्यायपीठ ने हिन्दुत्व को भारत की जीवन पद्धति बताया था कि, 'हिन्दुत्व किसी 'रिलीजन' न उपासना-पद्धति का नाम नहीं है। भारत की सुदीर्घ काल चली आ रही संस्कृति और उस पर आधारित जीवन पद्धति का नाम है। हिन्दुत्व भारतीयता का पर्यायवाची है।' लेकिन सेकुलरवाद में हिन्दू और हिन्दुत्व साम्प्रदायिक हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दुनिया का सबसे बड़ा सांस्कृतिक संगठन है। सेकुलर चरमे में वह साम्प्रदायिक है लेकिन धर्म साम्प्रदायिक मुस्लिम लीग, एआईएमआईएम सेकुलर है। इस विचार में ईसाईयत और इस्लामी विश्वास सेकुलर है। सार्वजनिक कार्यक्रमों में दीप प्रज्जवलन और संस्कृत सुभाषित पढ़ना साम्प्रदायिक है। सरस्वती वंदना साम्प्रदायिक है। सभी सांस्कृतिक प्रतीक साम्प्रदायिक हैं।

इनका विरोध सेकुलरवाद है। वन्दे मातरम् भी सेकुलरवादियों के निशाने पर रहा है। इस्लामी परम्परा के रोजा कार्यक्रमों में राजनेताओं का जाना सेकुलर है। रामनवमी और जन्माष्टमी उत्सवों में हिस्सा लेना साम्रादायिक है। सेकुलरवादियों ने योग को भी साम्रादायिक बताया था। वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संयुक्त राज्य अमीरात गए थे। वे वहां की विशाल मस्जिद भी गए। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा सफल रही। उनकी प्रशंसा हुई लेकिन सेकुलर दलतंत्र में दिलचस्प प्रतिक्रियाएं हुईं। प्रधानमंत्री की सहजता को सेकुलर दिखाई देने की कोशिश कहा गया था। मंदिर, मस्जिद या चर्च आदि उपासना केन्द्रों में जाने के प्रायः दो कारण हो सकते हैं। पहला अपनी आस्था विश्वास के अनुसार मंदिर, गुरुद्वारा, मस्जिद या चर्च जाना। यह स्वाभाविक है। दूसरा अपनी आस्था से भिन्न समुदायों के प्रति आदर भाव व्यक्त करने के लिए भी लोग उपासना स्थलों पर जाते हैं। लेकिन छद्म सेकुलरवाद ने मस्जिद जाने का तीसरा कारण बताया कि, मस्जिद जाने से सेकुलर होने की गारंटी है। एक सीनियर मुफ्ती कादरी ने दयनीय टिप्पणी की थी कि, 'प्रधानमंत्री होने के बाद मोदी ने अपने पद की जिम्मेदारियां ठीक से समझ लीं।'

पी (लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)



हृदयनारायण दीक्षित

ना कहना भी है एक कला है

श्याम कुमार कोलारे



हर कोई चाहता है कि वह हमेशा हर किसी का चाहेता बना रहे, हर कोई उसके काम की तारीफ करे एवं उसकी सराहना करे।

इसलिए वह उसको दिए गए काम एवं जिम्मेदारी को हमेशा से पूर्ण इमानदारी एवं लगन के साथ के साथ करता है और चाहता है इसका हमेशा उसको श्रेय मिले साथ ही साथ सभी के सामने उसके काम की प्रशंसा हो। परन्तु कभी आपने सोचा है सभी को खुश रखने के चक्कर में आप पर हमेशा जिम्मेदारियाँ बढ़ा दी जाती हैं, आप कोई भी काम को सहर्ष स्वीकार कर लेते हैं इसलिए आपको ही काम के लिए हमेशा चुना जाता है। आप हमेशा काम बैगर कोई न-नुकर करे स्वीकार कर करने लगते हैं, आपको और अन्य काम की जिम्मेदारी सौप दी जाती है, पहले से आपके पास काम की एक लम्हैबी लिस्ट है, आपको और अतिरिक्त काम का बोझ डाल दिया जाता है।

किसी भी काम के लिए हमेशा हाँ कहना यानि अपने आप को और अधिक समय के लिए काम से जोड़ लेना है। अतिरिक्त काम करना गलत नहीं है परन्तु यदि हमें पता है कि इससे हमें कोई विशेष फायदा नहीं होने वाला है, इससे केवल समय, शक्ति और उत्साह का हनन ही होना है तब भी काम करते रहना यह स्वयं को थकाने जैसा कार्य होता है। इससे काम करने वाला व्यक्ति अपने निजी पलों को भी प्रोपेस्नल कामों में लगा देता है और पर्सनल जीवन को अपने जॉब या नौकरी में लगा कर अपने स्वयं के सुखद पलों को खोते रहता है।

हमें रोजमर्रा के जीवन में निरंतर दूसरों के अनुरोध का सामना करना पड़ता है। दूसरों की मदद करना भले ही अच्छी आदत कहलाती है

लेकिन लगातार ऐसा करते रहने से हम पाते हैं कि अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए हमारे पास समय नहीं रह जाता है। इस तरह के कार्य करते रहने से हमारे भीतर हताशा पैदा होने लगती है। 'न' एक सरल शब्द है जो महज एक अक्षर का है लेकिन ज्यादातर लोगों के लिए 'न' उच्चारण कर पाना कठिन होता है। जबकि हम सभी आप इस परेशानी को थोड़ा कम कर सकते हैं।

जितन एक निजी कम्पनी में काम करता है, कम्पनी की तरफ से उसे फैलूड के दैनिक काम निर्धारित है, वह अपनी कम्पनी की तरफ से दी गई जिम्मेदारी के काम को भलीभांति पूर्ण निष्ठा के साथ करता है जिससे उसके बॉस के सामने उसकी अच्छी इमेज है। वह सब कम समय पर करता है बॉस को उस पर पूर्ण विश्वास है कि वह किसी भी काम को अच्छे से कर सकता है।

कम्पनी में एक प्रोजेक्ट आता है, इस काम का पूर्व अवलोकन करने के लिए लोगों का चयन

में जितन एवं उसी के जैसे काम करने वाले लोगों का नाम आगे आता है, जितन को इस नया काम की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी जाती है।

हमारे आसपास ऐसे कई उदाहरण मिल जायेंगे जो अपने काम से संतुष्ट न होने से अवसाद का शिकार हो जाते हैं। अच्छे काम के लिए पहले जो जाने जाते थे अब उस काम में उनकी रुचि नहीं लगती है। आखिर यह सब हुआ "ना" नहीं कहने के कारण। हर काम के लिए हमेशा "हाँ" कह देना आप पर न केवल काम का बोझ बढ़ाएगा बल्कि आपको ऐसे कार्य भी करने होंगे जिनको करना आप पसंद नहीं करते हैं। आपको समझना होगा कि आपका समय और बहुमूल्य उर्जा सीमित है और आपको इसकी अहमियत देनी होगी। कई बार लोग अपनी छवि खराब होने के डर से किसी भी कार्य को "न" नहीं कह पाते हैं। लेकिन आपको यह कहने के बाद समय की कमी के चलते काम खराब होता है तो इससे आपकी छवि अधिक

खराब होगी। कई स्थानों पर आपके पास "ना" कहना आसान नहीं होता है। सबसे पहले तो हमें बहुत ही सभ्य तरीके से किसी कार्य के लिए मना करना चाहिए। साथ ही मना करने का उचित व तार्किक कारण भी बताया जाना जरूरी है। आइये कुछ ऐसे तरीकों को जानते हैं जिससे आप इस परेशानी को थोड़ा कम कर सकते हैं।

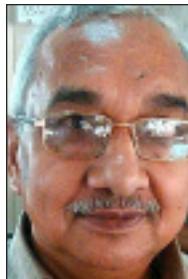
दोस्तों के दबाव से बचे

अक्सर हम दोस्ती रिश्तेदारी, आत्मविश्वास की कमी या दुविधा के कारण दूसरों की बातें मान लेते हैं। जैसे "पार्टी में दोस्तों के कहने पर मैंने भी एक पैग ले लिया। ऑफिस के लोग बाहर खाना खाने जा रहे थे, तो मैं भी चला गया, अब बजट गड़बड़ हो गया।" इन सब परिस्थितियों में दूसरों की बात मानी, अगर चाहते तो, शालीनता से मना भी कर सकते थे। ना कहने का मतलब है अपने खुद के लिए खड़े होना। कुछ बातों में ना करके आप अनचाही परिस्थितियों में फँसने से बचते हैं, इससे आत्मविश्वास बढ़ता है।

अपनी ऊर्जा को बचाए रखें

कई बार हम दूसरों को खुश करने की लिए उनकी बात के लिए हामी भर देते हैं और बाद में सोचते हैं कि ना कह देते तो ज्यादा अच्छा होता। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि हम ना को नकारात्मक भाव से जोड़ते हैं। ऐसा करने से हम अपना समय खुद ही बर्बाद करते हैं। अपने समय, निजता और ऊर्जा को बचाने का आसान और सीधा तरीका है ना कहना। ना को किस जगह कैसे फिट करना है, यह आप पर निर्भर करता है। जैसे पढ़ाई करते समय फ़ोन चलाना, फेसबुक या व्हाट्सएप पर से ध्यान हटाना, भोजन को मन से खाने के लिए फोन को दूर रखना, बजन कम करना है, किसी की बातों में ना आकर अपने विवेक से कम लेना, अपना समय एवं रुचि को ध्यान में रखते हुए कार्य करना।

वीरेंद्र बहादुर सिंह



इक्यावन्वें साल की उम्र में अचानक आई इस व्याधि से वह आकुल-व्याकुल हो उठे। तकलीफ विचित्र थी। सुबह उठने के साथ ही उन्हें अपना नाम ही नहीं याद आ रहा था। लगभग दो घंटे तक वह कमरे में इधर से उधर चक्कर लगाते रहे। मर चुकी पल्ली भी 'कहती हूँ' कह कर ही बुलाती थी, इसलिए उसने भी कोई नाम दिया हो, याद नहीं आ रहा था।

स्वर्गस्थ पल्ली के फोटो के नीचे उसके नाम के पीछे उनका नाम था। परंतु पिछले साल फोटो के पीछे चले गए बरसात की पानी की बजह से उस जगह इस तरह के दाग पड़ गए थे कि नाम पढ़ने में ही नहीं आ रहा था। जबकि पढ़ने में भी आ रहा होता तो अनपढ़ आंखें पढ़ ही कहां पातीं। गांव के अपने घर में होते तो किसी से पूछ लेते। पर इस समय तो वह बेटे के घर शहर में थे। यहां तो ज्यादा लोग उन्हें पहचानते भी नहीं थे।

विदेश कमाने गए बेटे के उसकी कर्कश

बहू थी। अगर उससे पूछ लेते तो वह इस तरह बात का बताने तंग बनाएगी कि सोच कर ही उन्हें चक्कर आ गया। बेटे को विदेश फोन लगाया और जैसे ही पूछा कि मेरा नाम क्या है? वहां तो जब चाहे फोन लगा कर पूछने के बदले जो सुनने को मिला कि... पर नाम का पता नहीं चला। खूब सोच-विचार कर छोटे पोते को पास बुला कर पूछा, बाबू, तुम्हें मेरा नाम पता है?

उसने हाँ में सिर हिलाया। पर नाम बोलने के लिए चाकलेट की खातिर दस रुपए मांगे। दस की नोट पकड़ा कर अपना नाम पूछा तो जवाब मिला, दादाजी। और यह नहीं, मेरा नाम बोलो।

हाँ, वही तो कह रहा हूँ। आप का नाम दादाजी है। मैं तो यहीं तो कह कर बुलाता हूँ। कह कर पोता भाग गया।

इसी चिंता में वह घर के बाहर निकले तो सामने मिटाई की दुकान वाले ने 'नमस्कार' किया। बड़ी उम्मीद के साथ वह दुकान पर पहुंचे और सकुचाते हुए पूछा, भाई, तुम्हें मेरा नाम मालूम है?

जवाब में दुकानदार ने जोर से हंस कर

कहा, आप भी न, सालों से आप को चाचा कहता आ रहा हूँ तो आप का नाम जान कर क्या करना है।

गांव से बचपन के दोस्त का फोन आया। फोन रिसीव होते ही उसने पूछा, पप्पू मजे में हैं न?

उन्हें खुशी हुई, लगा कि उनका नाम पप्पू है। कन्फर्म करने के लिए पूछा तो दोस्त ने कहा, उम्र की बजह से ठीक से याद नहीं। पर पप्पू तेरी कसम, नाम तो तेरा कोई दूसरा है, पर मैं तो बचपन से तुझे पप्पू ही कहता आ रहा हूँ।

दोस्त की इस बात से वह और चिढ़ग गए। मैं भी कैसा आदमी हूँ कि अपना नाम भी याद नहीं है। इसकी अपेक्षा तो मर जाना ठीक है।

बड़ी मेहनत से वह छत पर गए। वह छलांग लगाने जा रहे थे कि उनके फोन की घंटी बजी। फोन उठाते ही दूसरी ओर से कहा गया, रामप्रसादजी, आप को लोन चाहिए? यह सुन कर रामप्रसाद मुसकरा उठे।

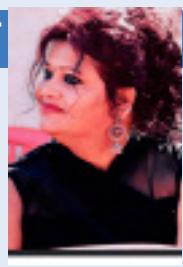
जेड-436ए, सेक्टर-12,

नोएडा-201301 (उ.प्र.)

मो- 8368681336

©सरस्वती धानेश्वरभ, भिलाई, छत्तीसगढ़

एहसास_



अलहादा है अकेले पन का सुकून,

अनोखा रहस्यमय आभास,

कई रक्तिम आभाओं को समेटे

बांधे रखता है खुद से खुद को !

कई भूली बिसरी यादें,

कुछ सिमटी सी परछाइयां,

थम सी जाती है जहन में,

दर्पण की मानिंद निहारती है खुद को,

दे जाती है कई सपने,

और आ

आसान विधि से बनाएं बनारसी दम आलू

बनारस के स्वाद की बात ही कुछ और है। एक बार यहां के जायकों को चखने के बाद सालों तक आप उस स्वाद को भूल नहीं सकते। तो आइए ऐसी ही एक डिश करते हैं द्राय बनारसी दम आलू।

कितने लोगों के लिए : 4

सामग्री : 10-15 उबले हुए (एक दम छोटे आकार के), 2-3 चम्मच सरसों का तेल, 1 चुटकी हींग, 2 हरे लहसुन की पत्तियां कटी हुई, 1 टीस्पून जीरा, 2 टेबलस्पून धनिया, 1 टीस्पून जीरा, 1 टीस्पून सरसों के दाने, 1 टीस्पून सौंफ, अजवाईन, कलौंजी, 4 से 5 साबूत लाल मिर्च, 1 टीस्पून हल्दी पाउडर, 2 टेबलस्पून अमचूर पाउडर, स्वादानुसार नमक, 2 टेबलस्पून हरी धनिया की पत्तियां



बाद आलूओं को कढ़ाही में डालकर 15 से 20 मिनट तक भूनें।

- इस समय सभी खड़े मसालों को हल्का गर्म करें और दरदरा पीसकर तैयार करें।

- जब आलू एक दम सुनहरा भून जाए तो उसमें पीसा हुआ मसाला, हल्दी, अमचूर पाउडर और नमक डालकर मिलाएं।

- आलू को मसालों के साथ भी पांच मिनट तक अच्छी तरह से मिलाएं।

- अब धनिया पत्ती डालें और हरी चटनी के साथ गर्मगर्म सर्व करें।

विधि :

- उबले आलूओं से छील लें या फिर ऐसे ही बीच से चीरा लगा।
- एक बड़ी लोहे की कढ़ाही रखें और तेल गर्म करें।
- अब उसमें कटी हुई लहसुन की पत्तियां और हींग डालकर भूनें इसके

स्वादिष्ट आलू-मेथी की सब्जी बनाने के लिए आसान स्टेप्स

टेस्टी आलू-मेथी सब्जी बनाने के लिए ये रेसिपी आजमा सकते हैं। आप इसे पराठे या रोटी के साथ सर्व कर सकते हैं।

कितने लोगों के लिए : 4

सामग्री : 4 आलू, 1 कप कटे हुए मेथी, 3-4 लहसुन की कली, 2-3 हरी मिर्च, 1 टी स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 टी स्पून हल्दी पाउडर, 1 टी स्पून गरम मसाला पाउडर, 2-3 चम्मच तेल, स्वादानुसार नमक

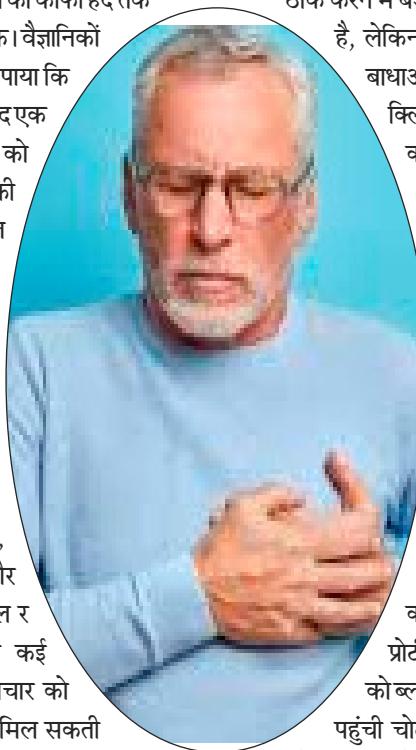
विधि : - सबसे पहले आलू धो लें और इसे टुकड़ों में काट लें। अब कढ़ाई में तेल गर्म करें, इसमें मिर्च और लहसुन चटकाएं। फिर कटे हुए आलू और मेथी डालें। इसे कुछ देर तक



पकाएं। जब सब्जी की पानी सूखने लगे, तो नमक और मसाले मिलाएं। कुछ देर तक भूनें, जब आलू पक जाए, तो गैस बंद कर दें।

नया शोध : हार्ट अटैक के बाद अब सेल प्रोग्रामिंग की मदद से दिल को किया जाएगा रिपेयर

वैज्ञानिकों ने सेलुलर प्रोग्रामिंग का लाभ उठाने के लिए प्रोटीन के एक समूह की पहचान की है। जिससे दिल की कोशिकाओं को पहुंचे नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकते। वैज्ञानिकों ने शोध के दौरान पाया कि दिल के दौरे के बाद एक चूहे के दिल को पहुंची चोट की मरम्मत सफल तरीके से कैसे की जा सकती है। अमेरिका के सैनफोर्ड बर्नहैम प्रीबिस में हुई रिसर्च केनिष्ठर्ष में पाया गया कि इससे हृदय, पार्किंसन्स रोग और न-यूरो मस्कुलर बीमारियों सहित कई बीमारियों के उपचार को बदलने में मदद मिल सकती है।



गतिविधि और उपस्थिति को नियंत्रित करने का मौका देती है।

यह कॉन्सेप्ट शरीर को खुद को देबारा ठीक करने में बड़ी मदद प्रदान करता है, लेकिन रीप्रोग्रामिंग तंत्र की बाधाओं ने विज्ञान के लैब से क्लिनिक तक के सफर को रोका हुआ है।

हुई चार चरह के प्रोटीन की पहचान

इस समस्या को हल करने के लिए शोध में चार तरह के प्रोटीन की गई, जिसे AJSZ नाम दिया गया है। कोलास ने कहा, इन प्रोटीन्स की एक्टिविटी को ब्लॉक कर, हम दिल को पहुंची चोट को कम कर पाएं और दिल के दौरे का शिकार हुए चूहे

के दिल के कार्य में 50 फीसदी तक सुधार लाए। हालांकि, इस शोध का फोकस दिल की कोशिकाओं पर रहा, लेकिन वैज्ञानिकों को यकीन है कि AJSZ सभी तरह की कोशिकाओं में पाए जा सकते हैं। उन्हें यकीन है कि इस तरीके से कई तरह की बीमारियों का बेहतर इलाज हो सकता है। कोलास ने कहा, यह सफलता इन जबरदस्त जैविक अवधारणाओं को वास्तविक उपचारों में बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस शोध का अगला कदम है AJSZ प्रोटीन्स को काम करने से ब्लॉक करने के कई विकल्पों की तलाश करना। अध्ययन के बारे में, कोलास ने कहा, गहरी चोट के बाद दिल को ठीक करने में मदद कर पाना अपने आप में एक महत्वपूर्ण चिकित्सा आवश्यकता है, लेकिन ये निष्कर्ष चिकित्सा में सेल प्रोग्रामिंग के बड़े पैमाने में उपयोग के रास्ता को भी बड़ा बनाते हैं।

सेलुलर प्रोग्रामिंग क्या है

शरीर की कोशिकाएं चुनी गई जीन्स को चालू और बंद करने की क्षमता रखती हैं। जैसे-वे कैसे दिखते हैं और वह क्या करते हैं, उसे बदलना ही सेलुलर प्रोग्रामिंग का आधार है। यह पुनर्जीयों चिकित्सा का एक उभरता हुआ दृष्टिकोण है, जिसमें वैज्ञानिक क्षितिग्रस्त या घायल शरीर के ऊतकों की मरम्मत के लिए कोशिकाओं को बदलते हैं।

सैनफोर्ड बर्नहैम प्रीबिस के असिस्टेंट प्रोफेसर और रिसर्च के लीड लेखक, एलेक्जेंडर कोलास ने बताया कि, हार्ट अटैक के बाद अगर एक व्यक्ति बच भी जाता है, तब भी उसके दिल को भारी नुकसान जरूर पहुंचा होता है, जिसकी वजह से दिल की दूसरी बीमारियों का जोखिम और बढ़ जाता है। उन्होंने कहा, यथारी में सेलुलर प्रोग्रामिंग, हमें किसी भी कोशिका की

त्वचा के साथ शरीर के लिए भी फायदेमंद है अनार का जूस, लेकिन बरतें ये सावधानी

गर्भियां शुरू हो गई हैं और इसी के साथ कुछ ठंडा तरल पदार्थ पीने के लिए हम ज्यादातर ठंडी चीज़ की तलाश करते हैं, स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए हमें अक्सर कौशिश करनी चाहिए कि हम फल के जूस का ही सेवन करें। हमें ऐसे लिक्विड चीजों की तलाश करनी चाहिए जो हमारे समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में मदद कर सके। अगर

आप भी ऐसा ही कुछ ढूँढ रहे हैं, तो अनार का जूस एक बढ़िया ऑप्शन हो सकता है, जिसके एक या दो नहीं बल्कि कई सारे फायदे हैं। यह आवश्यक पोषक तत्वों और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है और इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। चलिए जानते हैं अनार का जूस पीने के फायदे के बारे में-



अनार के जूस के फायदे-

1. वजन घटाने में मददगार

अनार का जूस वजन कम करने में आपकी मदद कर सकता है। अनार पॉलीफेनोल्स और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं, ये सभी आपको मेटाबॉलिज्म बढ़ाने और फैट बर्न करने में मदद करते हैं। यह आपकी भूख को दबा कर आपको लंबे समय तक भरा हुआ भी महसूस करवाते हैं। कौशिश करें इसे अपने मीठे पेय पदार्थों से बदलें क्योंकि उससे आपका तेजी से वजन बढ़ सकता है।

2. पाचन में सहायक

अनार का रस आपके पाचन स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और पाचन संबंधी समस्याओं, जैसे कि सूजन आंत्र रोग का इलाज करने में मदद कर सकता है। अनार में मौजूद यौगिक आपकी आंत के लिए अच्छे बैक्टीरिया को प्रोत्साहित कर सकते हैं और पाचन तंत्र में जलन की समस्या को कम कर सकते हैं।

3. कैंसर रोधी गुण होते हैं

राशीय स्वास्थ्य संस्थान (एनआईएच) के अनुसार, अनार प्रोस्टेट कैंसर को रोकने या उसका इलाज करने में मदद कर सकता है। कई टेस्ट-ट्रूब शोधों के अनुसार, अनार के रस में ऐसे रसायन होते हैं जो या तो कैंसर कोशिकाओं को मारने में मदद कर सकते हैं या शरीर में उनकी वृद्धि को धीमा कर सकते हैं।

4. हृदय स्वास्थ्य में सुधार करता है

अनार के रस का सेवन आपके हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है और दरदरा के दौरे जैसी स्वास्थ्य स्थितियों के विकास के जोखिम को रोक सकता है। अनार के अर्क में ऐसे यौगिक

7. त्वचा के लिए अच्छा है

आपकी त्वचा हानिकारक यौगिकों, प्रदूषण और सूर्य की हानिकारक पराबैग्नी (यूवी) किरणों के संपर्क में आती है, जिससे उन्हें काफी नुकसान पहुंचता है। अनार के जूस का सेवन आपकी त्वचा को यूवी किरणों से बचाने में मदद कर सकता है क्योंकि यह त्वचा में जहरीले यौगिकों के उत्पादन को रोकने में मदद करता है।

8. मूरुस्वास्थ्य को बढ़ावा देता है

अनार का रस आपके मूरुस्वास्थ्य को बेहतर बनाने और गुर्दे की पथरी के विकास को रोकने में मदद कर सकता है। अनार में मौजूद तत्व ऑस्ट्रियोआर्थराइटिस पैदा करने वाले एंजाइम को रोक सकते हैं।

अनार के जूस के साइड इफेक्ट

हर अच्छी चीज़ के साथ कुछ बुराई भी छिपी होती है। अनार के रस में भी कई स्वास्थ्य लाभों के साथ कुछ साइड इफेक्ट्स हैं। इसलिए इससे बचाने के



८

'टाइगर 3' के ट्रेलर को मिली बेशुमार तारीफ

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान और कैटरीना कैफ फिल्म 'टाइगर 3' में अपनी सुपर एजेंट टाइगर और जोया को फिर से निभाने के लिए वापस आ गए हैं। निर्माताओं ने 'टाइगर 3' का ट्रेलर जारी किया और इसने इंटरनेट पर देखते ही देखते धूम मचा दी। यह वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की फिल्मों में से सबसे ज्यादा देखा जाने वाला ट्रेलर बन गया, जिसमें एक था टाइगर, टाइगर जिंदा है, वाँ और पठान जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में शामिल हैं। सलमान और कैटरीना ट्रेलर को मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया और लोगों द्वारा उन पर बरसाए जा रहे प्यार से बेहद रोमांचित हैं। सलमान और कैटरीना सबसे लोकप्रिय ऑन-स्क्रीन जोड़ियों में से एक हैं, जिन्हें बड़े पर्दे पर देखने के लिए दर्शक

उमड़ पड़ते हैं। कैटरीना कहती हैं, 'टाइगर 3' के टेलर को जो प्रतिक्रिया मिली है, उसे देखना अविश्वसनीय है। यह बेहद अद्भुत है कि हमें इतना प्यार मिल रहा है क्योंकि पूरी टीम ने टाइगर 3 को एक एक्शन ड्रामा बनाने के लिए अपना सबकुछ ज्ञांक दिया है। यह टाइगर फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है और मैं 'टाइगर 3' से लोगों की भारी उम्मीदों से अच्छी तरह वाकिफ हूँ। मुझे खुशी है कि ट्रेलर को सर्वसम्मति से प्यार मिल रहा है और यह रिलीज होने तक 'टाइगर 3' अभियान के लिए शानदार माहौल तैयार करता है। वह कहती हैं, टाइगर और जोया एक ही पहेली के दो टुकड़े हैं। जब वे एक इकाई के रूप में एक साथ काम करते हैं तो वे करिशमाई और साहसी होते हैं।

शादी की साड़ी में आलिया भट्ट ने लिया नेशनल अवार्ड

तस्वीरें वायरल



हाल ही में राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया था। इस खास इवेंट के लिए सभी कलाकार दिल्ली पहुंचे थे। इससे पहले राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा की गई थी। अब दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रपति द्वौपदी मुर्म ने विजेताओं को सम्मानित किया। इन अवॉर्ड्स की लिस्ट में बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट का भी नाम है। आलिया भट्ट ने फिल्म 'गंगूबाई काठियावाडी' के लिए अवॉर्ड जीता। इस

बार आलिया भट्ट का लुक काफी आकर्षक था। फिल्म में आलिया के बेहतरीन अभिनय के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में अभिनेत्री ने साड़ी पहनी हुई थी। अपने इस देसी लुक में वह बेहद खूबसूरत लग रही थी। उनकी इस साड़ी का भी एक खास कनेक्शन है। अवॉर्ड समारोह में आलिया ने वही साड़ी पहनी जो उन्होंने अपनी शादी में पहनी थी। आलिया भट्ट ने अपने करियर का पहला नेशनल अवॉर्ड जीता है। इस मौके पर एक्ट्रेस आलिया भट्ट पति रणबीर कपूर के साथ पहुंचीं। यह जोड़ा अपनी जिंदगी के इस खास दिन के लिए काफी उत्साहित नजर आया। अपनी शादी की साड़ी पहनने पर फैस आलिया की तारीफ कर रहे हैं। तो आलिया ने खुद भी कमेंट कर बताया है कि

उन्होंने ये साड़ी क्यों पहनी। आलिया ने कहा, 'जिंदगी के एक खास दिन के लिए यह साड़ी भी बेहद खास है। इस साड़ी को दोबारा पहनना भी उतना ही आनंददायक है।' उन्होंने यह भी कहा है कि वह अपनी जिंदगी के खास पलों में हमेशा इस खास साड़ी को पहनेंगी। इस बार सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार एक नहीं बल्कि दो अभिनेत्रियों को मिला है। आलिया भट्ट ने अपनी फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार जीता। वहीं, कृति सेन को फिल्म 'मिमी' के लिए यह अवॉर्ड देने की घोषणा की गई है। नेशनल अवॉर्ड जीतने पर एक्ट्रेस ने संजय लीला भंसाली का शुक्रिया अदा किया है। साथ ही उन्होंने इस अवॉर्ड का श्रेय भी उन्हीं को दिया है।

